

流年碎語詩畫集



楊建忠著



流年碎語詩畫集



杨建忠著





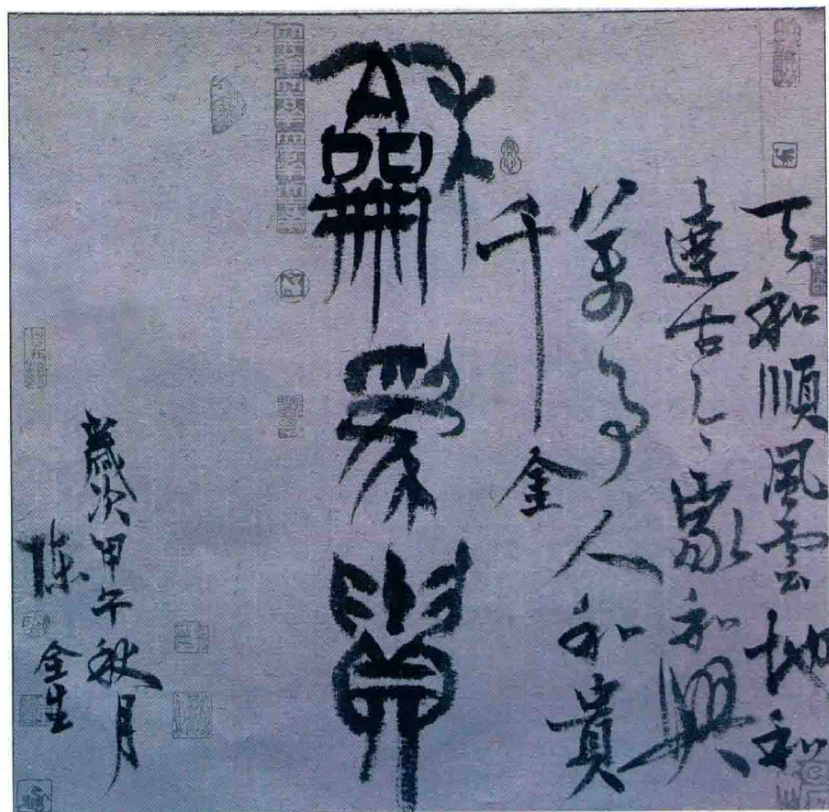
原吉林省委书记王云坤题字

賀楊建忠先生書畫展

有趣筆墨描田野  
無字文章寫山川

二〇二二年六月歲在辛卯初秋  
撫松縣文化館 松松老年書畫研究會同賀

成國強 主筆



白山美协、书协会员，抚松老年书画研究会副秘书长陈全生题字

## 霜叶烛光共映红

——写在《流年碎语诗画集》出版前

习近平总书记说：“中国梦意味着每一个人都能在为中国梦的奋斗中实现自己的梦想。”杨建忠先生出版《流年碎语诗画集》，既是个人的诗画梦，也是农民的文化梦，同时表达了参乡群众实现中国梦的不懈追求。

杨建忠先生是一个质朴、善良的农民。1973年，28岁的他从山东诸城闯关东，1976年落户抚松县仙人桥镇温泉黑影岗屯。杨建忠先生又是一位执着、坚韧的文化人。在面朝黄土背朝天的闲暇时间里，他自号“白山翁”，几十年如一日，凝神赋诗，泼墨作画，被市文联誉为全市首位农民画家诗人。

杨建忠先生还是一名重情、乐学的游子，为亲情友情往返吉鲁大地，为开阔眼界遍访名山大川。杨建忠先生更是一位敏言、笃行的参乡人，他留连抚松的青山绿水，满足家庭的和睦幸福，欣喜抚松的发展变化，讴歌时代的主题印迹。

这一切，从他的字里行间、笔端画迹中，都可以读出、看到，并且产生共鸣和回响。

在杨建忠先生的诗句里，我们回到了闯关东的艰苦岁月，我们感受到“文革”的飘摇动荡，我们品味到爱情的纯真甜蜜，我们体会了真善美的永恒传承。我们明白了光阴的时不我待，我们理解了惠民的政策影响，我们印证了家国的密不可分，同样我们也被激发了热爱抚松、建设参乡的热情。

“质胜文则野，文胜质则史。”杨建忠先生在抒发感情、记录生活时，既用了五言、七言等古体诗形式，也有现代诗

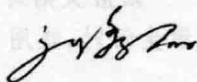
的流畅表达,甚至还创造了六言、类词的诗歌叙述。对一个没有接受过系统文学教育的农民、老人,探索难度可想而知,成果让人肃然起敬。

金无足赤,人无完人。受教育程度、时代背景、生活环境、创作条件的影响,杨建忠先生的诗歌和书画作品难免有美中不足的地方,诗歌虽然琅琅上口,但个别作品在韵律用词方面还略显稚拙,在思想内容方面也偶有愤世嫉俗的流露,但他真诚坦率地展露心声,反映时代,主流向上,风格平实,带给我们启发与感悟。更难能可贵的是,杨建忠先生不人云亦云、随声附和,而是始终在用笔、用心表达自己对自然、艺术、社会和时代的热爱。用他的诗句来说,就是“自己的炕还得自己烧。”

一个地地道道的农民,有梦无悔;一段曲曲折折的生活,今是昨非;一个朝朝暮暮的追求,苦伴乐随,年近古稀更加推敲揣摩,自得其乐。德厚以载物,天道酬勤,他的书画作品多次在省市县参展并获奖,在《长白山日报》刊登,《白山年鉴(2014)》将他列入白山名人。在老龄化时代,杨建忠先生老有所学,老有所为,老有所乐,让我们感受到了霜叶烛光的情怀和风采。特别在习主席主持领导实现中国梦的今天,饱经坎坷的老人从内心深处迸发出了对盛世的歌唱与赞美。

“白山村夫不言贫,周游山川即兴吟,低微不怕他人笑,绝顶远眺也凌云。”杨建忠先生以《无题》给自己立题。我衷心希望,他能以《流年碎语诗画集》为路标,临峰望远,登堂入室,创作出更好的作品。我更希望,在习近平总书记文艺座谈会讲话精神的指引下,在抚松建设国际化生态旅游名城的流金岁月,全县广大文艺工作者有更多有益于家国、无愧于时代的力作问世。是为序。

抚松县文联主席



## 目 录

|                 |    |
|-----------------|----|
| 童年篇 .....       | 1  |
| 听母亲讲故事 .....    | 1  |
| 不懂事 .....       | 2  |
| 无 题 .....       | 2  |
| 啥叫东家 .....      | 3  |
| 后松园村的来历 .....   | 4  |
| 奶奶流泪了 .....     | 5  |
| 少年篇 .....       | 6  |
| 奶奶的回忆 .....     | 6  |
| 故乡旧事 .....      | 6  |
| 十年动乱篇 .....     | 8  |
| 记右派关牛棚 .....    | 8  |
| 文革怨 .....       | 8  |
| 我的心在流血 .....    | 9  |
| 无 题 .....       | 10 |
| 送别心上人 .....     | 10 |
| 你不要恨我 .....     | 11 |
| 寒 .....         | 12 |
| 怎能忘 .....       | 12 |
| 向你致敬 .....      | 13 |
| 我的婚事 .....      | 14 |
| 一个真实荒唐的故事 ..... | 16 |
| 渴 望 .....       | 17 |
| 闯关东篇 .....      | 18 |
| 闯关东两首 .....     | 18 |
| 有惊无险 .....      | 18 |
| 东北寒流 .....      | 19 |
| 生产队里学大寨 .....   | 19 |
| 初识白山一面腮 .....   | 19 |
| 生产队部是我家 .....   | 20 |
| 三子敬原出生 .....    | 20 |



|                            |    |
|----------------------------|----|
| 清平乐                        | 20 |
| 老嫂比母                       | 21 |
| 山中采蘑                       | 23 |
| 怀念叔父                       | 23 |
| 漂泊                         | 23 |
| 七六年春节                      | 23 |
| 悲回首                        | 24 |
| 碎语                         | 24 |
| 安家乐                        | 25 |
| 除四害                        | 25 |
| 谢邓公                        | 25 |
| 回顾人生                       | 26 |
| 感悟人与社会                     | 26 |
| 人生感悟                       | 27 |
| 感悟人生                       | 27 |
| 笑看人生                       | 28 |
| 人与社会之观感                    | 28 |
| 读琼瑶名言有感                    | 29 |
| 公开秘方                       | 30 |
| 透视一小贪官                     | 30 |
| 我很孤独                       | 31 |
| 无题                         | 32 |
| 蹉跎岁月                       | 32 |
| 思乡梦                        | 32 |
| 记一恶吏村官亡史三首(小人得志/鱼目混珠/自食其果) | 33 |
| 碎语评人与社会                    | 33 |
| 释刻骨铭心                      | 34 |
| 笑对人生                       | 34 |
| 春                          | 34 |
| 云雾的期盼                      | 35 |
| 母亲的怀念                      | 36 |
| 碎语无题                       | 39 |
| 母亲三周年的怀念                   | 40 |
| 祭胞妹                        | 41 |
| 悟然                         | 42 |
| 我欣赏的一支歌                    | 42 |

|                      |    |
|----------------------|----|
| 无 题 .....            | 43 |
| <b>四十年的思乡篇</b> ..... | 45 |
| 观牵牛花 .....           | 45 |
| 夏夜思故乡 .....          | 45 |
| 思 念 .....            | 45 |
| 中秋念故乡兄弟 .....        | 45 |
| 梦呓醒 .....            | 46 |
| 作画故乡的回忆图 .....       | 46 |
| 思乡吟 .....            | 46 |
| 秋 思 .....            | 46 |
| 寄故乡老友 .....          | 47 |
| 思乡吟 .....            | 47 |
| 相思相知 .....           | 48 |
| 送 别 .....            | 48 |
| <b>故乡行篇</b> .....    | 49 |
| 故乡行九部曲 .....         | 49 |
| 故乡行 .....            | 49 |
| 寻 梦 .....            | 49 |
| 返 乡 .....            | 50 |
| 故乡巨变 .....           | 50 |
| 故友重逢又道别 .....        | 50 |
| 千年古柏之吊 .....         | 51 |
| 彻 悟 .....            | 52 |
| 暮年故乡行 .....          | 52 |
| 父母的怀念 .....          | 52 |
| 故乡行 .....            | 53 |
| 故乡行有感 .....          | 53 |
| 返程东北 .....           | 53 |
| 不了故乡情 .....          | 53 |
| <b>改革开放篇</b> .....   | 54 |
| 白山春曲 .....           | 54 |
| 秧田绿叶复白雪 .....        | 54 |
| 放歌山中 .....           | 54 |
| 牧 歌 .....            | 55 |
| 种西瓜 .....            | 55 |
| 白山夏晨 .....           | 55 |

|                |    |
|----------------|----|
| 人与社会篇          | 56 |
| 愤              | 56 |
| 怒              | 56 |
| 叱              | 56 |
| 劝              | 57 |
| 呼唤             | 57 |
| 无题             | 57 |
| 浅议老年福          | 57 |
| 浅议老年苦          | 58 |
| 金字塔诗           | 58 |
| 碎语人与家庭         | 59 |
| 污垢             | 59 |
| 裙带谣            | 60 |
| 感叹             | 60 |
| 当兵面面观          | 60 |
| 考公务员           | 61 |
| 碎语短评           | 61 |
| 有感布什话纪元        | 61 |
| 作画三狼图题         | 62 |
| 人与社会浅议         | 63 |
| 长叹歌            | 64 |
| 无题             | 64 |
| 戏“竹”           | 65 |
| 有感唱高调者         | 65 |
| 葬礼             | 66 |
| 我的不孝儿子         | 67 |
| 结束语            | 68 |
| 人间百态           | 68 |
| 不和谐的音符         | 69 |
| 念佛的人           | 70 |
| 无题             | 71 |
| 林区拾零随笔 有感林吏勒索民 | 71 |
| 无题             | 72 |
| 败家子            | 72 |
| 松鼠的困惑          | 72 |
| 无题             | 72 |

|                    |    |
|--------------------|----|
| 周武的遭遇纪实 .....      | 73 |
| 哭泣的森林 .....        | 73 |
| 人参跌价 .....         | 73 |
| 柴煤涨价 .....         | 73 |
| 松籽怨 .....          | 74 |
| 碎语闲言 .....         | 75 |
| 说 钱 .....          | 75 |
| 人与社会 .....         | 76 |
| 赠垂死富翁 .....        | 76 |
| <b>闲言碎语篇</b> ..... | 77 |
| 探索发现 .....         | 80 |
| 妄谈艺术 .....         | 81 |
| 温泉电站览风光三首 .....    | 81 |
| 赠唐山友人 .....        | 82 |
| 白山恋 .....          | 82 |
| 访旧友董新春 .....       | 82 |
| 赏映山红随笔 .....       | 83 |
| 自创新人结婚对联两付 .....   | 83 |
| 参乡春月夜 .....        | 83 |
| 神仙谣 .....          | 84 |
| 作画老马图题 .....       | 84 |
| 知足常乐 .....         | 86 |
| 陋室三间三九歌 .....      | 86 |
| “家”的解读 .....       | 86 |
| 老心情 .....          | 87 |
| 汶川大地震，透视真善美 .....  | 87 |
| 记老友陈福善丧偶 .....     | 88 |
| 怀念老友陈福善 .....      | 88 |
| 都市我说 .....         | 88 |
| 山居乐 .....          | 89 |
| 偶 题 .....          | 89 |
| 微菜谣 .....          | 89 |
| 浅议为人父母 .....       | 89 |
| 莫负农 .....          | 90 |
| 破除迷信 .....         | 91 |
| 逝者遗言 .....         | 92 |

|          |     |
|----------|-----|
| 旅游篇      | 93  |
| 北京一瞥     | 93  |
| 登长城怀古    | 93  |
| 登泰山观日出   | 93  |
| 开封游记     | 94  |
| 游嵩山少林寺有感 | 94  |
| 洛阳游记     | 94  |
| 游白马寺想到的  | 95  |
| 游白居易陵园随笔 | 95  |
| 华山游记     | 96  |
| 黄土高原观感   | 97  |
| 评说秦始皇    | 97  |
| 西安游记     | 98  |
| 游杜甫草堂随笔  | 99  |
| 游杜甫草堂抒怀  | 99  |
| 游石宝寨     | 100 |
| 游三峡怀古    | 100 |
| 船过云阳县城   | 101 |
| 夜泊宜昌     | 101 |
| 游隆中怀古    | 101 |
| 旅游归来即兴吟  | 102 |
| 碎语人生     | 102 |
| 游南岳衡山随笔  | 103 |
| 透视南岳     | 103 |
| 登岳阳楼随笔   | 104 |
| 登岳阳楼抒怀   | 104 |
| 游龙虎山随笔   | 105 |
| 游苏州随笔    | 106 |
| 游苏州即兴    | 106 |
| 登峨眉山随笔抒怀 | 106 |
| 繁华都市一瞥   | 107 |
| 游武当山随笔   | 107 |
| 游武当山     | 107 |
| 武当山抒怀    | 108 |
| 夜逛南京夫子庙  | 108 |
| 游明孝陵之感悟  | 109 |

|           |     |
|-----------|-----|
| 游西湖       | 110 |
| 游黄山随笔     | 110 |
| 游黄山抒怀     | 110 |
| 览黄山奇观     | 110 |
| 游黄山抒怀     | 111 |
| 给老伴拍照题    | 111 |
| 两千年冬武夷山游记 | 111 |
| 九江游记      | 112 |
| 烟水亭怀古     | 112 |
| 庐山游记      | 113 |
| 齐云山游记     | 113 |
| 齐云山怀古     | 113 |
| 张家界游记     | 114 |
| 游贺龙公园     | 114 |
| 游桂林漓江阳朔抒怀 | 114 |
| 忆江南       | 115 |
| 2001年西藏游记 | 115 |
| 西游记       | 116 |
| 青藏高原纪实    | 116 |
| 游西藏随笔     | 117 |
| 游西藏感怀     | 117 |
| 西藏印象      | 118 |
| 都江堰游记     | 118 |
| 游都江堰怀古    | 118 |
| 广元游记      | 119 |
| 游皇泽寺随笔    | 119 |
| 游剑门关怀古    | 120 |
| 汉中游记      | 121 |
| 游拜将坛随笔    | 122 |
| 游拜将坛怀古    | 122 |
| 南国游记      | 123 |
| 游丽江随笔     | 123 |
| 游丽江抒怀     | 124 |
| 登玉龙雪山感悟人生 | 125 |
| 别丽江游大理    | 125 |
| 大理游记      | 125 |

|                |     |
|----------------|-----|
| 昆明游            | 126 |
| 石林认象           | 126 |
| 无 题            | 126 |
| 游辽宁千山抒怀        | 126 |
| 记写辽宁望儿山        | 127 |
| 沈阳东陵怀古         | 127 |
| 登长白山           | 127 |
| 天池颂            | 127 |
| 陪姐夫王希亮夫妇游白山    | 128 |
| 白山赞            | 128 |
| <b>感悟篇</b>     | 120 |
| 咏 妻            | 129 |
| 解读幸福           | 130 |
| 知足常乐           | 131 |
| 笑对人生           | 131 |
| 我应谢谢你          | 132 |
| 孙子的趣事点滴        | 133 |
| 老翁闲赋           | 136 |
| 老翁闲赋           | 126 |
| <b>老有所学篇</b>   | 128 |
| 诗画的乐趣          | 137 |
| 人生折点           | 137 |
| 画展随笔           | 138 |
| 有缘张金泉刘家珍老师     | 139 |
| 写在画展前面         | 139 |
| 画展抒怀           | 139 |
| 夕阳情怀           | 140 |
| 白山秋韵           | 141 |
| 陋室聚高士          | 141 |
| 我村的水泥路         | 142 |
| 恩师张金泉老先生八十寿辰随笔 | 143 |
| 贺张老八十寿辰        | 144 |
| 心中的圣地          | 144 |
| 美梦成真           | 144 |
| 培训班随笔          | 145 |
| 老叟大学生          | 146 |

|              |     |
|--------------|-----|
| 集安游          | 146 |
| 星空畅想         | 147 |
| 军民大联欢        | 148 |
| 金牌会员         | 149 |
| 参加老年书画培训班有感  | 149 |
| 露老脸          | 150 |
| 记一老光棍的人生悲剧   | 151 |
| 碎语集锦         | 152 |
| 暮年故乡行之感悟     | 153 |
| 游崂山          | 154 |
| 故乡的渴望        | 155 |
| <b>盛世篇</b>   | 146 |
| 碎语流年讲故事      | 156 |
| 二零一三年国庆随笔    | 157 |
| 碎语随笔         | 160 |
| 村夫心声         | 160 |
| 看三国掉眼泪       | 161 |
| 自我解剖         | 162 |
| 实话实说         | 163 |
| 我很富足         | 164 |
| 二零一四年春节寄语    | 166 |
| 我辈最长寿        | 168 |
| 心里话          | 168 |
| 舍与得因与果的循环    | 169 |
| 欣慰           | 170 |
| 活到老学到老       | 170 |
| 碎语点评         | 171 |
| 回望甲午         | 172 |
| 择翁婿谈话点评      | 173 |
| <b>作画题咏篇</b> | 163 |
| 画月季花题咏       | 174 |
| 画山茶花题咏       | 174 |
| 画兰题咏         | 174 |
| 画梅题咏两首       | 174 |



|              |     |
|--------------|-----|
| 画牡丹题咏        | 175 |
| 画竹题咏四首       | 175 |
| 画菊题咏三首       | 176 |
| 画荷题咏两首       | 176 |
| 画雪竹题咏        | 177 |
| 画白山秋韵题咏      | 177 |
| 画竹菊雄鸡立石图题咏自嘲 | 177 |
| 五年后（画雄鸡图题咏）  | 177 |
| 画卸套老马题咏      | 178 |
| 画对弈题咏        | 178 |
| 画雨后山水题咏      | 178 |
| 画石岩崖松树题咏     | 178 |
| 画鱼虾荷蟹题咏      | 178 |
| 画夕阳松鹤题咏二首    | 179 |
| 画松下眠题咏       | 179 |
| 画雪松题咏        | 179 |
| 画山水题咏        | 179 |
| 画秋蝉红叶螳螂题咏    | 180 |
| 画白山居题咏       | 180 |
| 画鹿鸣长白山题咏     | 181 |
| 画山水古寺题咏      | 181 |
| 画山水题咏        | 181 |
| 画山水题咏        | 181 |
| 画悬崖青松题咏      | 181 |
| 画山水题咏（同题两首）  | 181 |
| 画山水题咏（同题四首）  | 182 |
| 黑影岗的变迁       | 183 |
| 友人赠诗篇        | 177 |
| 杨  兄         | 188 |
| 咏  弟         | 188 |
| 赞杨兄          | 189 |
| 赠老杨          | 189 |
| 书画作品选        | 179 |
| 后  记         | 208 |